मेरे शंकर भोले भाले | By Sanjay Chauhan |

मेरे शंकर भोले भाले,
बेड़ा पार लगाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

सागर से निकला हलाहल,
देवों में मच गई हलचल,
सब देवता मिल के शिव के,
गुण गाने लगे वो हरपल,
शिव पीकर विष देवों के,
संकट को मिटाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

जब भक्त भगीरथ गंगा,
को धरती पर ले आए,
गंगा का वेग भयंकर,
इस धरती पर ना समाए,
गंगा को शिवजी अपनी,
जटाओं में समाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

ऋषियों ने गो हत्या का,
गौतम पे दोष लगाया,
जप तप कर ऋषि गौतम ने,
शिव जी को खूब मनाया,
गंगाजल से गौतम का,
शिव दोष मिटाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

देवों के संग दानव ने,
जब जब भी युद्ध मचाया,
सब देव जनों ने मिलकर,
शिव जी का ध्यान लगाया,
भोले भंडारी से सब,
वरदान पाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

मेरे शंकर भोले भाले,
बेड़ा पार लगाते हैं,
हर दु:ख संकट में,
शिव भोले ही काम आते हैं।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-sanjay-chauhan/